Paper - III

MT

Seat No. | | | | | | | |

2017 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - II - PAPER - III

Time : 3 Hours **(Pages 10)** **Max. Marks : 80**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य **20 अंक**

प्र.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **संजाल पूर्ण कीजिए।** **1**

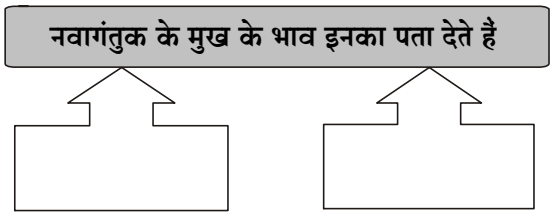

ii) **सही पर्याय चुनकर पूर्ण वाक्य फिर से लिखिए।** **1**

(1) **मृग पीछे की ओर मुड़ा क्योंकि** .....

(क) सामने एक बड़ा पेड़ दीवार की भाँति खड़ा था ।

(ख) सामने एक बड़ा ही विशाल पहाड़ दीवार की भाँति खड़ा था ।

(ग) सामने एक नदी का बड़ा ही ऊँचा कगार, दीवार की भाँति खड़ा था ।

(2) **सामने कगार देखकर** .....

(क) राजकुमार का शरीर शिथिल पड़ गया ।

(ख) संन्यासी का शरीर शिथिल पड़ गया ।

(ग) हिरन का शरीर शिथिल पड़ गया ।

क्रमश: मृग पीछे की ओर मुड़ा। सामने एक नदी का बड़ा ही ऊँचा कगार, दीवार की भाँति खड़ा था,आगे भागने की राह बंद थी और उसपर से कूदना मानो मृत्यु के मुख में कूदना था । हिरन का शरीर शिथिल पड़ गया । उसने एक करुणाभरी दृष्टि चारों ओर फेरी, किंतु उसे हर तरफ मृत्यु-ही-मृत्यु दृष्टिगोचर होती थी । अश्वारोही के लिए इतना समय बहुत था । उसकी बंदूक से गोली क्या छूटी मानो, मृत्यु ने एक महाभयंकर जयध्वनि के साथ अग्नि की एक प्रचंड ज्वाला उगल दी । हिरन भूमि पर लोट गया ।

इसी समय वहाँ एक अति दीर्घकाय पुरुष नीचे से उछलकर कगार के ऊपर आया और अश्वारोही के सम्मुख खड़ा हो गया । अश्वारोही उसे देख बहुत अचंभित हुआ । नवागंतुक एक बहुत ही सुंदर और हृष्ट-पुष्ट मनुष्य था । मुख के भाव उसके हृदय की स्वच्छता और चरित्र की निर्मलता का पता देते थे । वह बहुत ही दृढ़ प्रतिज्ञ, आशा-निराशा तथा भय से बिल्कुल बेपरवाह-सा जान पड़ता था ।

मृग को देखकर उस संन्यासी ने बड़े स्वाधीन भाव से कहा, ''राजकुमार, तुम्हें आज बहुत ही अच्छा शिकार हाथ लगा । इतना बड़ा मृग इस सीमा में कदाचित ही दिखाई पड़ता है ।''

राजकुमार के अचंभे की सीमा न रही । उसने देखा कि साधु उसे पहचानता है ।

राजकुमार बोला, ''जी हाँ, मैं भी यही ख्याल करता हूँ । मैंने भी आज तक इतना बड़ा हिरन नहीं देखा । लेकिन उसके पीछे आज बहुत हैरान होना पड़ा ।''

संन्यासी ने दयापूर्वक कहा -''नि:संदेह तुम्हें दुख उठाना पड़ा होगा । तुम्हारा मुख लाल हो रहा है । घोड़ा भी बेदम हो गया है । क्या तुम्हारे संगी बहुत पीछे रह गए ?''

इसका उत्तर राजकुमार ने बिल्कुल बेपरवाही से दिया, मानो उसे इसकी कुछ भी चिंता न थी ।

2) i) **सत्य या असत्य पहचानकर लिखिए।** **1**

(1) दीर्घकाय पुरुष दृढ़ प्रतिज्ञ था ।

(2) दीर्घकाय पुरुष का हृदय आशा-निराशा एवं भय से भरा हुआ था ।

ii) **उत्तर लिखिए।** **1**

नवागंतुक की विशेषता लिखिए ।

(1) ---------- (2) ----------

3) i) **निम्नलिखित शब्द मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए।** **1**

(1) प्रचण्ड - (2) सुन्दर -

ii) **निम्नलिखित शब्दों के लिंग परिवर्तन कीजिए ।** **1**

(1) राजकुमार (2) संन्यासी

4) **'वन्यप्राणियों की सुरक्षा के लिए बने कानून' पर अपने विचार प्रकट कीजिए।** **2**

प्र.1. (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **चौखट में सही उत्तर लिखिए।** **1**

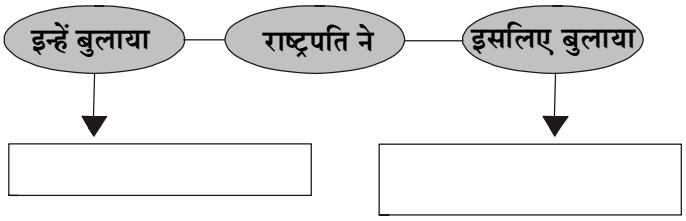

ii) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) यह था जीवनशास्त्री का दिलचस्प मशवरा -

(2) राष्ट्रपति ने शिक्षा के प्रचार पर विचार के लिए इन्हें बुलाया -

एशिया के एक प्रसिद्ध जीवनशास्त्री का कहना है कि ज़िंदगी संघर्ष से भरी हुई है । एक के बाद एक खींच-तान लगी ही रहती है और चैन नहीं मिल पाता, इसलिए जीवन में उन क्षणों की बहुत कीमत है, जो जीवन को गुदगुदा दें और खींच-तान की तेज़ी को भुला दें ।

इस जीवनशास्त्री ने लोगों को एक बड़ा दिलचस्प मशवरा दिया है कि जब तुम अपने किसी मित्र-दोस्त से बात करने बैठो, तो घड़ी का मुँह दीवार की तरफ कर दो ।

जब उनसे पूछा गया कि बातचीत का और घड़ी का क्या संबंध ? तो उत्तर मिला कि कंबख्त याद दिलाती रहती है कि इतनी देर हो गई - इतनी देर हो गई और इस तरह आनंद का वह क्षण खंडित हो जाता है, जो मित्र की बातचीत से मिलता है ।

इसी विद्वान के जीवन का एक संस्मरण बहुत मज़ेदार है। उनके देश के राष्ट्रपति ने अपने देश में शिक्षा के प्रचार पर विचार करने के लिए एक विदेशी विद्वान को बुलाया। निश्चय हुआ कि राष्ट्रपति जी चार बजे शाम को उनसे बातें करें और उस बातचीत में ये महाशय भी उपस्थित रहें जो घड़ी का मुँह दीवार की तरफ करने का मशवरा देते हैं। इसकी सूचना इन्हें दे दी गई और इनसे चार बजे आने की स्वीकृति ले ली गई ।

2) i) **सत्य या असत्य पहचान कर लिखिए।** **1**

(1) राष्ट्रपति पाँच बजे विदेशी विद्वान से बातें करने वाले थे ।

(2) मित्र के साथ बातचीत करने से आनंद की प्राप्ति होती है ।

ii) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

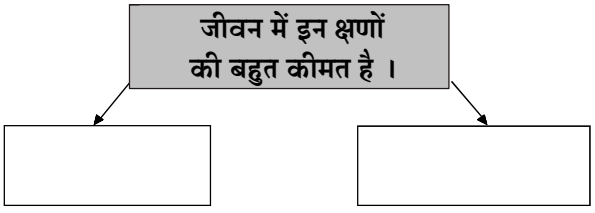

3) i) **विलोम शब्द लिखिए।** **1**

(1) शिक्षा (2) विदेशी

ii) **निम्नलिखित शब्द मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए ।** **1**

(1) खीच तान (2) मजेदार

4) **'क्या जीवन में गुदगुदा देने वाले क्षणों की आवश्यकता होती है?' अपने विचार लिखिए ।** **2**

प्र.1.(ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(4)**

1) **कोष्ठक में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान में लिखिए ।** **1**

i) जनतंत्र में सबसे अधिक शक्ति …… के हाथ में होती है ।
(राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, जनता)

ii) शासन प्रणाली में …… दलों का भी महत्त्वपूर्ण स्थान होता है ।
(विरोधी, मित्र, अन्य)

2) **निम्नलितित प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।** **1**

i) जनतंत्र सबसे उत्तम शासन - प्रणाली क्यों है ?

ii) जनतंत्र में विरोधी- दल का क्या कार्य है ?

वर्तमान शासन - प्रणालियों में जनतंत्र से बढ़कर कोई प्रणाली नहीं है क्योंकि उसमें जनता को स्वयं यह अधिकार प्राप्त रहता है कि, वह अपने प्रतिनिधियों को चुनकर विधानसभाओं और संसद में भेजती है । ऐसे प्रत्यक्ष चुनाव में प्राय: वही व्यक्ति चुना जाता है, जिसका सार्वजनिक जीवन अच्छा हो और जो जनता की सेवा किसी दल या व्यक्ति के कार्यों से संतुष्ट नहीं है, तो दूसरी बार उस दल या व्यक्ति को मत न दे । निर्वाचन में विरोधी दलों के कुछ व्यक्ति चुने जाते है, जो अपनी आलोचना से शासक दल के स्वेच्छाचार पर अंकुश रहते हैं । इस प्रकार देश की शासन - प्रणाली में विरोधी दलों का भी महत्त्वपूर्ण स्थान होता है ।

3) **जनतंत्र शासन - प्रणाली कैसे सफल हो सकती है ? - इस प्रश्न के उत्तर के रूप में आप अपने विचार प्रकट कीजिए :** **2**

विभाग 2 - पद्य **16 अंक**

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **2**

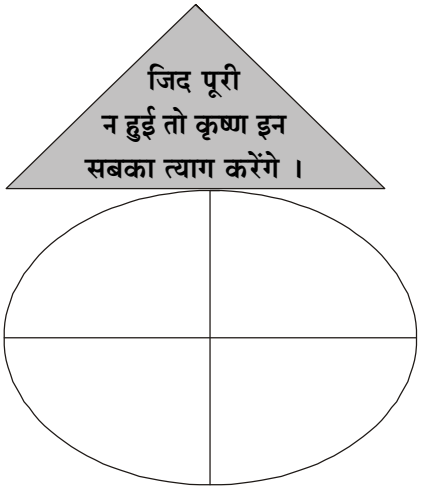

मैया मैं तो चंद खिलौना लैहौं।
धौरी को पय पान न करिहौं, बेनी सिर न गुथैहौं।
मोतिन माल न धरिहौं उर पर झंगुली कंठ न लैहौं।
जैहौ लोट अभी धरनी पर तेरी गोद न ऐहौं।
लाल कहैहौं नंद बाबा को तेरो सुत न कहैहौं।

2) i) पद्यांश में प्रयुक्त शरीर के अंगों के नाम लिखिए। **1**

(1) ..... (2) .....

ii) **सही शब्द चुनकर वाक्य फिर से लिखिए।** **1**

(1) बालक कृष्ण माँ यशोदा से चंद / चाँदनी का खिलौना माँगता है ।

(2) कृष्ण नंदबाबा / यशोदा का बेटा कहलाएँगे ।

3) i) **शरीर के अंगों पर गढ़े गए मुहावरे लिखिए।** **1**

जैसे - आँखे - आँखों में धूल झोकना

वैसे - कान -

सिर -

ii) **मानक हिंदी भाषानुसार कविता में प्रयुक्त क्रियाओं का अर्थ लिखिए।** **1**

जैसे - न करिहौं - नहीं करूँगा

वैसे - न कहैहौं -

न ऐहौं -

4) निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए। **2**

"मैया मैं तो चंद खिलौना लैहौं।
धौरी को पय पान न करिहौं, बेनी सिर न गुथैहौं।।"

प्र.2. (छ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) आकृति पूर्ण कीजिए। **2**

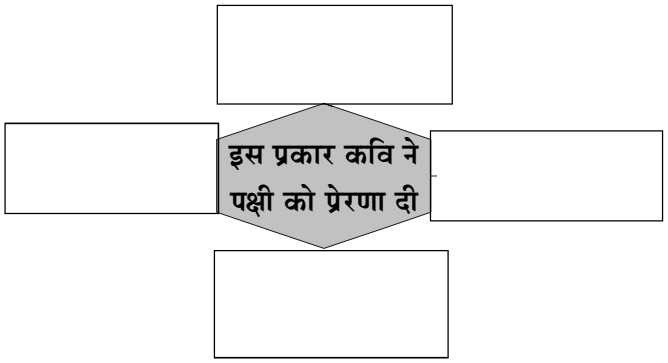

खग, उड़ते रहना जीवन भर!
भूल गया है तू अपना पथ,
और नहीं पंखों में भी गति,
किंतु लौटना पीछे पथ पर अरे, मौत से भी है बदतर।
खग, उड़ते रहना जीवन भर !

2) i) **समझकर लिखिए।** **1**

कवि के मतानुसार खग में ये अपेक्षित गुण होने चाहिए।

(1) --------- (2) ----------

ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

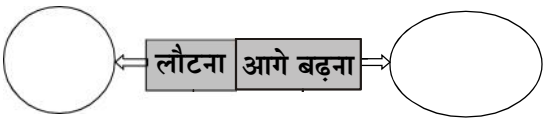

3) i) (1) जिंदगी नर्क बन जाना, इसके लिए पद्यांश में प्रयुक्त मुहावरा है: ½

(2) खग: इसका प्रतीक शब्द है: ½

ii) **विलोम शब्द लिखिए।** 1

(1) जीवन × (2) पीछे ×

4) **निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** 2

''खग, उड़ते रहना जीवन भर ।
भूल गया है तू अपना पथ,
और नहीं पंखों में भी गति,
किंतु लौटना पीछे पथ पर अरे, मौत से भी है बदतर।''

विभाग 3 - पूरक पठन **04 अंक**

प्र.3. परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** 1

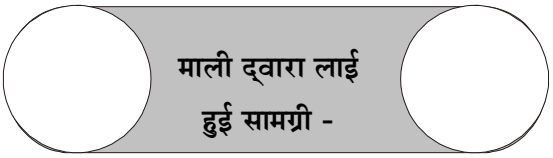

ii) **आकृति पूर्ण कीजिए।** 1

उन्होंने मुझे जब भी किसी गोष्ठी की अध्यक्षता या किसी अनुष्ठान में उपस्थिति का आग्रह किया, मैंने सदैव उनके आदेश को सिरमाथे लिया। मैं बहुत कम बाहर जाती हूँ, किंतु उनके पत्र में कुछ ऐसा आत्मीयतापूर्ण अभिजात्य रहता कि मैं टाल नहीं पाती। एक बार आज से कोई आठ वर्ष पूर्व उन्होंने मुझे लक्खी सराय के बालिका विद्यापीठ में 'कन्याओं की विदा' के अनुष्ठान पर आमंत्रित किया।

''यह विद्यालय राजेंद्र प्रसाद जी की प्रिय शिक्षण संस्था रही है। यहाँ की शिक्षा पूर्ण करने पर जब कन्याएँ विदा लेती हैं तो उन्हें उसी स्नेह से विदा किया जाता है, जैसे पुत्री को मायके से विदा किया जाता है। गत वर्ष महादेवी जी पधारी थीं। उनके हाथ का लगा वृक्ष जिस अहाते में है, हमारी विदा हो रही कन्याओं की हार्दिक इच्छा है कि उसी के पार्श्व में आपके हाथों लगा वृक्ष लहलहाए। यात्रा कठिन अवश्य है, आपको कष्ट भी होगा, क्योंकि

रेलवे स्टेशन नहीं हैं, किंतु हमारे सहयोगी कार लेकर किऊल उपस्थित रहेंगे। आपको आकर यह तो देखना ही है, कि आपके प्रशंसक यहाँ भी कितनी बड़ी संख्या में हैं। साहस कर मैं गई तो रात को बारह बजे किऊल के जनहीन बीहड़ स्टेशन पर पहुँचते ही सहम गई। लोगों से सुन चुकी थी कि किऊल से लक्खी सराय का मोटर मार्ग निरापद नहीं है, डाके भी आए दिन होते रहते हैं– मुझे लेने गाड़ी आई थी। विद्यापीठ पहुँची तो अतिथिशाला और भी भयानक लगी। उस दिन बिजली भी चली गई थी। निराभरण कमरे में एक स्प्रिंग की पलंग पड़ी थी। न कोई चौकीदार, न आसपास कोई मकान। थोड़ी देर में एक लंबा–सा व्यक्ति, एक अधमरी लालटेन और एक मटके में पानी रख, तिरछा खड़ा होकर रहस्यमयी मुस्कुराहट बिखेरता बोला, ''हम माली हैं। आप दरवाजा बंद कर आराम से सोइए, हम वहाँ उस कोठरी में रहते हैं– खिड़की–दरवाजे बंद रखिएगा, कभी–कभी साला करैत घुस आता है।''

2) 'विदाई समारोह प्रेम व अपनत्व की भावना से भरा हुआ होता है।' अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 4 - व्याकरण

10 अंक

प्र.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** ½
संस्मरण

ii) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए ।** ½
देखो बाहर कौन है ?

2) i) **निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए ।** **1**
मंगली के छह साल की बेटी ने उसको साहब के बारे में पूछा ।

3) i) **सहायक क्रिया का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** ½
पाना

ii) **सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए ।** ½
खाना देखकर बालक उछल पड़ा ।

4) **प्रेरणार्थक क्रिया के रूप लिखिए ।** **1**

मूल क्रिया	**प्रथम प्रेरणार्थक**	**द्वितीय प्रेरणार्थक**
करना	------	------

5) i) **अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**
नाहक

ii) **अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए ।** **1**

अब हमें घर की ओर चलना चाहिए ।

6) **कालपरिवर्तन कीजिए ।** **2**

इतने लोग छत पाते हैं । (पूर्ण वर्तमानकाल)

लड़का मोटरसाइकिल खड़ी करता है । (अपूर्ण भूतकाल)

7) i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए ।** **1**

कानों में गूँजना -

ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**

(पैरो में पंख लगना, फूला न समाना, आसमान सिर पर उठाना)

नौकरी पाते ही विवेक बहुत खुश हुआ ।

विभाग 5 - रचना

30 अंक

प्र.5. सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है : **(15)**

1) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए । **5**

गांधी नगर, अमरावती में अशुद्ध जल की आपूर्ति होने के कारण वहाँ के निवासी त्रस्त हैं । इस संदर्भ में महेश शर्मा / महिमा शर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी, महानगर पालिका, अमरावती को शिकायत पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

जवाहर विद्यालय, गोरेगाँव को लिपिक की आवश्यकता है। अत: मुंबई से सागर / सीता शर्मा विद्यालय के प्रधानाध्यापक के नाम संबंधित पद के लिए आवेदन पत्र लिखता/लिखती है।

2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर शीर्षक दीजिए । **5**

अदालत में अवकाश के समय वकीलों का विश्राम कक्ष में बैठना । - एक मासूम बालक द्वारा भीख माँगना - एक वकील ने उसे बुलाकर भीख माँगने का कारण पूछना । - बीमार माँ के इलाज के लिए वकिलों द्वारा बच्चे को बुट - पॉलिश का सामान देना - वकीलों से उसकी सच्ची सहायता करना । -

3) निम्नलिखित गद्यखंड को ध्यानपूर्वक पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक वाक्य में हो । 5

संसार में तीन बातें बड़ी महत्त्वपूर्ण हैं । इनको प्राप्त कर तुम संसार के किसी भी कोने में जाओगे तो अपना निर्वाह कर सकोगे । ये तीन बातें हैं - अपनी आत्मा का, अपने आप का और ईश्वर का सच्चा ज्ञान प्राप्त करना । इसका मतलब यह नहीं कि तुम्हें अक्षर ज्ञान नहीं मिलेगा । वह तो मिलेगा ही । लेकिन तुम उसी की चिंता करो, यह मैं नहीं चाहता । इसके लिए तुम्हारे पास अभी बहुत समय है । अक्षर ज्ञान इसलिए होता है कि जो कुछ तुम्हें मिला हैं, उसे तुम दूसरों को दे सको । इतना याद रखना कि अब हमें गरीबी में रहना है । जितना अधिक विचार मैं करता हूँ, उतना ही अधिक मुझे लगता है कि, गरीबी में ही सुख है । अमीरी की तुलना में गरीबी अधिक सुखद है ।

प्र.6. प्रसंग लेखन : (लगभग 60 से 80 शब्दों में) 5

1) मैं ग्रीष्मावकाश में गाँव गया था । नब्बे वर्ष के रामू काका को आम का पौधा लगाते देख मैं स्तब्ध रह गया । मन में सोचा कि इन्हें तो इस पेड़ के आम खाने के लिए नहीं मिलेंगे । फिर भी वे पौधा लगा रहे हैं। मैंने जिज्ञासावश उन्हें इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा,.....

2) स्वमत : (लगभग 60 से 80 शब्दों में) 5

बेटी बचाओ से संबंधित एक घोष वाक्य मैंने रेल्वे स्थानक पर पढ़ा । उसे पढ़कर मेरे मन में विचार आए.....

3) किसी एक विषय पर निबंध लिखिए :- (लगभग 80 से 100 शब्दों में) 5

1) पानी की समस्या और उपास
2) पर्यावरण व विकास

Best Of Luck